व्यवसायिक प्रबंधन में स्नातक
(बी. बी. ए.आर. आई. एल.)

सत्रीय कार्य
2026

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जनवरी 2026 से 30th दिसम्बर, 2026

षष्टम सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –**1100 68**

वाणिज्य में स्नातक (बी. बी. ए. आर. आई. एल.)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

सत्रीय कार्य

2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, आपको प्रत्येक अवधि में एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य करना होगा ।

हम **BRL-115 & BCOS-184** सत्रीय कार्य भेज रहे हैं ।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो जून 2026 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2026 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो दिसम्बर 2026 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2026 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. एस. -184**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**ई कॉमर्स**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. एस. -184/टी. एम. ए./2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क

1. ई-कॉमर्स में उभरती हुई प्रौद्योगिकियों (Emerging Technologies) की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence – AI), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (Internet of Things – IoT) और ब्लॉकचेन (Blockchain) किस प्रकार ऑनलाइन व्यावसायिक प्रक्रियाओं को परिवर्तित कर रहे हैं, इस पर चर्चा कीजिए। **(10)**

2. वेबसाइट विकास प्रक्रिया (Website Development Process) की विस्तार से व्याख्या कीजिए। "नवाचार आवश्यकता" (Innovative Requirement) से लेकर "रखरखाव" (Maintenance) तक प्रत्येक चरण के महत्व का वर्णन करें। **(10)**

3. लक्षित ग्राहकों (Target Customers) के आधार पर विभिन्न ई-कॉमर्स व्यवसाय मॉडलों पर चर्चा कीजिए। B2B, B2C, C2C और D2C मॉडलों के वास्तविक जीवन के उदाहरण दें। **(10)**

4. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (Information Technology Act, 2000) की व्याख्या कीजिए। इसके प्राथमिक उद्देश्य क्या हैं, और यह भारत में ई-कॉमर्स को किस प्रकार एक कानूनी ढांचा प्रदान करता है? **(10)**

5. "ई-रिटेल मिक्स के 7C" का मूल्यांकन कीजिए। ये घटक पारंपरिक 4P विपणन की तुलना में ई-रिटेलर को ग्राहकों को श्रेष्ठ मूल्य प्रदान करने में किस प्रकार सहायक होते हैं? **(10)**

खण्ड – ख

6. इन्वेंट्री-आधारित (Inventory-based) और मार्केटप्लेस-आधारित (Marketplace-based) ई-टेलिंग मॉडलों के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। अपने उत्तर को अमेज़न (Amazon) या अलीबाबा (Alibaba) जैसे उदाहरणों की सहायता से समझाइए। **(6)**

7. पेमेंट गेटवे (Payment Gateway) क्या है? ग्राहक एवं व्यापारी के बीच ऑनलाइन लेन-देन को सुरक्षित बनाने में यह एक "मध्यस्थ (Middleman)" के रूप में किस प्रकार कार्य करता है, समझाइए। **(6)**

8. साइबर सुरक्षा के संदर्भ में "C.I.A. ट्रायड" की व्याख्या कीजिए। ई-कॉमर्स व्यवसाय के लिए गोपनीयता (Confidentiality), अखंडता (Integrity) तथा उपलब्धता (Availability) क्यों महत्वपूर्ण है? **(6)**

9. खुदरा विक्रेताओं के लिए ई-टेलिंग के लाभों एवं हानियों पर चर्चा कीजिए। स्थान की उपयोगिता (Location Utility) और जटिल लॉजिस्टिक्स प्रबंधन जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दीजिए। **(6)**

10. वेबसाइट होस्टिंग के विभिन्न प्रकार क्या हैं? शेयर्ड होस्टिंग (Shared Hosting), VPS होस्टिंग तथा क्लाउड होस्टिंग (Cloud Hosting) की संक्षिप्त व्याख्या करें। **(6)**

खण्ड – ग

11. HTTP और HTTPS के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ई-कॉमर्स वेबसाइटों के लिए "S" संस्करण क्यों आवश्यक है? **(5)**

12. फिनटेक (FinTech) पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। यह पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं को किस प्रकार पुनः परिभाषित कर रहा है? **(5)**

13. वर्चुअल करेंसी (Virtual Currency) की विशेषताएं क्या हैं? इन लेन-देन में वितरित लेजर प्रौद्योगिकी (Distributed Ledger Technology – DLT) का उपयोग क्यों किया जाता है? **(5)**

14. भारत में ई-गवर्नेंस का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। डिजिटल इंडिया जैसे कम से कम तीन लोकप्रिय ई-गवर्नेंस योजनाओं को सूचीबद्ध करें। **(5)**